जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 102
दिनांक 08.09.2021

कृषि अनुसंधान हेतु मन–वचन–कर्म से कार्य कर रहे वैज्ञानिक –डॉ. बिसेन

खेती के नये आयाम व नवाचार हेतु 150 से अधिक वैज्ञानिकों ने किया मंथन

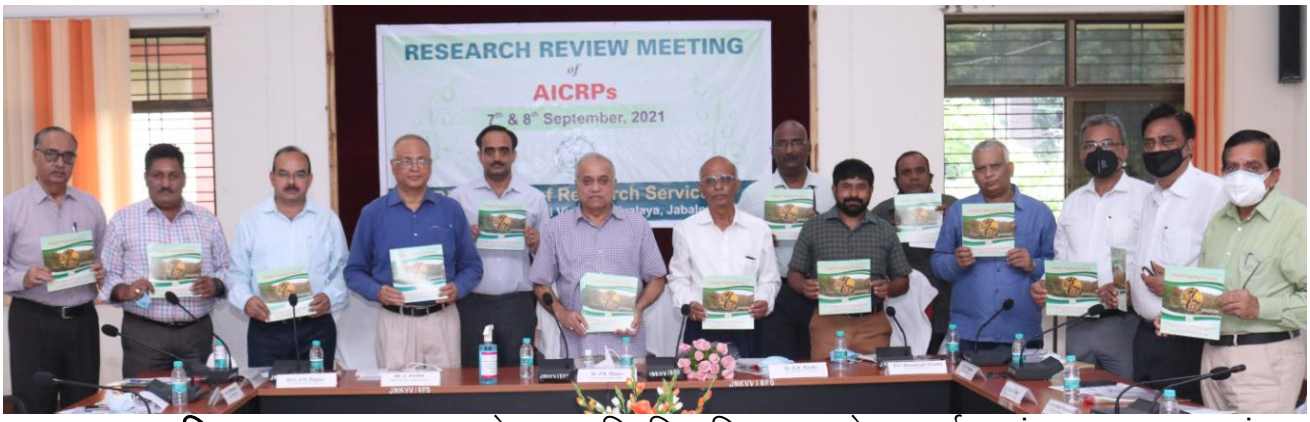

जबलपुर 08 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालनालय अनुसंधान सेवायें द्वारा दो दिवसीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान 36 राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं में अनुसंधानरत् 150 से अधिक विषय विशेषज्ञ एवं कृषि वैज्ञानिकों ने अपने अपने अनुसंधान कार्यो की प्रस्तुति दी। जिसके आधार पर आगामी 5 वर्षो के लिये एक्सशन प्लान तैयार किया जायेगा।

उद्घाटन अवसर पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि हमारे कृषि वैज्ञानिक पूर्ण मन–वचन–कर्म से कार्य कर रहे हैं, अनुसंधान के महत्व को वैज्ञानिक भलीभांति समझते है परिणामस्वरूप विवि द्वारा 6 दशक में विभिन्न फसलों की 292 प्रजातियों को तैयार किया गया है। विवि अपने उत्कृष्ट व बेहतरीन कार्य से बैगांचल–पातालकोट से लेकर राष्ट्रपति भवन तक अपनी उन्नत कृषि तकनीक पहुॅचा चुका है। विशेष अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने कहा कि हमारी अनुसंधान की दिशा भारत एवं मध्यप्रदेश सरकार की पालिसी व कृषक उपयोगी होने के साथ ही ग्लोबल वार्मिग, वाटर हारवेस्टिंग, जैविक खेती की दिशा में प्राथमिकता आधारित होना चाहिए। इस दौरान संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु ने भविष्य में अनुसंधान की नई प्राथमिकता क्या होनी चाहिए विषय पर विस्तार से पावर पाइंट प्रदर्शन किया। इसके अन्तर्गत फसल विविधिकरण, माइनर मिलेटस, जैविक आदान, मल्टीलेयर फार्मिग, बायोफोर्टिफाईड किस्में, एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी पार्क, टेक्नोलॉजी गैलरी बनाने, जीआई टैग, हायब्रिड किस्मों हेतु अनुसंधान करने की बात की। दो दिवसीय समीक्षा बैठक में डॉ. मोनी थामस द्वारा विकसित जवाहर गुग्गल ब्लेजर जिसे भारत सरकार द्वारा पेटेंट किया गया है इसके फोल्डर का विमोचन किया गया।

बैठक में कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. पहलवान, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. शरद तिवारी, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, संचालक आईएबीएम डॉ. एस.बी. नहातकर, अन्य कृषि महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, प्रक्षेत्र प्रभारी, कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस ने किया। दो दिवसीय समीक्षा बैठक को सफल बनाने में डॉ. जे.पी. लखानी, डॉ. रवि अग्रवाल, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शिवारामाकृष्णन व गणेश तिवारी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

–000–